

डॉ. हस्ती मल आर्य हस्ती
जोधपुर, राजस्थान

रंग बदलती इस दुनिया में

मौसम रंग बदलता जाता
जैसे बदले
मन मानव का
रूप देह का
प्रेम, नेह का
वैसे सब कुछ ढ़लता जाता|
मौसम रंग बदलता जाता...

फूल बदलते रंग
संग मौसम के
सब कुछ बदला
लगातार यह होता आया
जैसी चाहत
वैसी आहट
जीवन यूं भरमाता आया|
मौसम रंग बदलता जाता...



गिरगिट ने भी बदला
अपना रंग
देख्कर मौसम को ही
पंचतत्व की काया ने भी,
करवट ली है,
यह भी बदला
वह भी बदला
सब कुछ बदला
रूप रचाया माया ने भी|
मौसम रंग बदलता जाता...

मतलब यह है
एक सरीखा कभी न रहता
यह जीवन भी
मन भी, तन भी
पर हम देख्र रहे गिरगिट को
जिसने अपनी
सांस रोक कर
अभिनव रूप रचाया ऐसा,
हर पल
रंग बदलती इस दुनियां में
सबने शोर मचाया ऐसा|
सबने शोर मचाया ऐसा
मौसम रंग बदलता जाता
रंग बदलती इस दुनिया में..